५. उम्मीद

– कमलेश भट्ट 'कमल'

संभाषणीय

विद्यालय के काव्य पाठ में सहभागी होकर अपनी पसंद की कोई कविता प्रस्तुत कीजिए :–

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

● काव्य पाठ का आयोजन करवाएँ । ● विद्यार्थियों को उनकी पसंद की कोई कविता चुनने के लिए कहें । वही कविता चुनने के कारण पूछें । ● कविता प्रस्तुति की तैयारी करवाएँ । ● सभी विद्यार्थियों को सहभागी कराएँ ।

वो खुद ही जान जाते हैं बुलंदी आसमानों की
परिंदों को नहीं तालीम दी जाती उड़ानों की

जो दिल में हौसला हो तो कोई मंजिल नहीं मुश्किल
बहुत कमजोर दिल ही बात करते हैं थकानों की

जिन्हें है सिर्फ मरना ही, वो बेशक खुदकुशी कर लें
कमी कोई नहीं वर्ना है जीने के बहानों की

महकना और महकाना है केवल काम खुशबू का
कभी खुशबू नहीं मोहताज होती कद्रदानों की

हमें हर हाल में तूफान से महफूज रखती हैं
छतें मजबूत होती हैं उम्मीदों के मकानों की

× × × ×

परिचय

जन्म : १३ फरवरी १९५९ जफरपुर, (उ.प्र)
परिचय : कमलेश भट्ट 'कमल' गजल, कहानी, हाइकू, साक्षात्कार, निबंध, समीक्षा आदि विधाओं में रचना करते हैं । वे पर्यावरण के प्रति गहरा लगाव रखते हैं । नदी, पानी सब कुछ उनकी रचनाओं के विषय हैं ।
प्रमुख कृतियाँ : नखलिस्तान, मंगल टीका (कहानी संग्रह) मैं नदी की सोचता हूँ, शंख, सीप, रेत, पानी (गजलसंग्रह), अमलतास (हाइकू संकलन) अजब-गजब (बाल कविताएँ) तुईम (बाल उपन्यास) ।

पद्य संबंधी

गजल : यह एक ही बहर और वजन के अनुसार लिखे गए 'शेरों' का समूह है । गजल के पहले शेर को 'मतला' और अंतिम शेर को 'मकता' कहते हैं । प्रत्येक शेर एक-दूसरे से स्वतंत्र होते हैं ।

प्रस्तुत गजलों में गजलकार ने अपनी मंजिल की तरफ बुलंदी से बढ़ने, जिजीविषा बनाए रखने, अपने पर भरोसा करने, सच्चाई पर डटे रहने आदि के लिए प्रेरित किया है ।

कोई पक्का इरादा क्यों नहीं है
तुझे खुद पर भरोसा क्यों नहीं है ?

बने हैं पाँव चलने के लिए ही
तू उन पाँवों से चलता क्यों नहीं है ?

बहुत संतुष्ट है हालात से क्यों
तेरे भीतर भी गुस्सा क्यों नहीं है ?

तू झूठों की तरफदारी में शामिल
तुझे होना था सच्चा, क्यों नहीं है ?

मिली है खुदकुशी से किसको जन्नत
तू इतना भी समझता क्यों नहीं है ?

सभी का अपना है यह मुल्क आखिर
सभी को इसकी चिंता क्यों नहीं है ?

किताबों में बहुत अच्छा लिखा है
लिखे को कोई पढ़ता क्यों नहीं है ?

पठनीय

रवींद्रनाथ टैगोर जी की किसी अनुवादित कविता/कहानी का आशय समझते हुए वाचन कीजिए ।

श्रवणीय

हिंदी-मराठी भाषा के प्रमुख गजलकारों की गजलें यू ट्यूब/ टीवी/ कवि सम्मेलनों में सुनिए और सुनाइए ।

लेखनीय

आठ से दस पंक्तियों के पठित गद्यांश का अनुवाद एवं लिप्यंतरण कीजिए ।

शब्द संसार

बुलंदी (भा.सं.) = शिखर, ऊँचाई
परिंदा (पु.सं.) = पक्षी, पंछी
तालीम (स्त्री.सं.) = शिक्षा
हौसला (पुं.सं.) = साहस
मोहताज (वि.) = वंचित
कद्रदान (वि.फा.) = प्रशंसक, गुणग्राहक
महफूज (वि.) = सुरक्षित
इरादा (पुं.सं.) = फैसला, विचार
हालात (स्त्री.सं.) = परिस्थिति
तरफदारी (भा.सं.स्त्री.) = पक्षपात
जन्नत (स्त्री.सं.) = स्वर्ग
मुल्क (पुं.सं.) = देश, वतन

आसपास

किसी काव्य संग्रह से कोई कविता पढ़कर उसका आशय निम्न मुद्दों के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

- कवि का नाम
- कविता का विषय
- केंद्रीय भाव

पाठ के आँगन में

(१) उत्तर लिखिए :

कविता से मिलने वाली प्रेरणा :–

(क) .....

(ख) .....

(२) 'किताबों में बहुत अच्छा लिखा है, लिखे को कोई पढ़ता क्यों नहीं' इन पंक्तियों द्वारा कवि संदेश देना चाहते हैं .....

(३) कविता में आए अर्थ पूर्ण शब्द अक्षर सारणी से खोजकर तैयार कीजिए:–

दि	को	म	ह	फू	ज	का	ह
हीं	द्र	ह	र्फ	म	र	ता	न
भी	ब	फ	म	जो	र	ली	अ
दा	हा	ना	ले	थ	जी	म	वू
बु	की	मु	त	बा	मो	मी	हों
मं	लं	श	श्कि	ह	ई	स	हूँ
जि	दा	दी	ता	ल	ला	द	न
ल	री	ज	ला	त	खु	श	नू

कल्पना पल्लवन

'मैं चिड़िया बोल रही हूँ' विषय पर स्वयंस्फूर्त लेखन कीजिए ।

पाठ से आगे

हिंदी गजलकारों के नाम तथा उनकी प्रसिद्ध गजलों की सूची बनाइए ।

भाषा बिंदु

अर्थ की दृष्टि से वाक्य परिवर्तित करके लिखिए :–

नम्रता कॉलेज में पढ़ती है ।

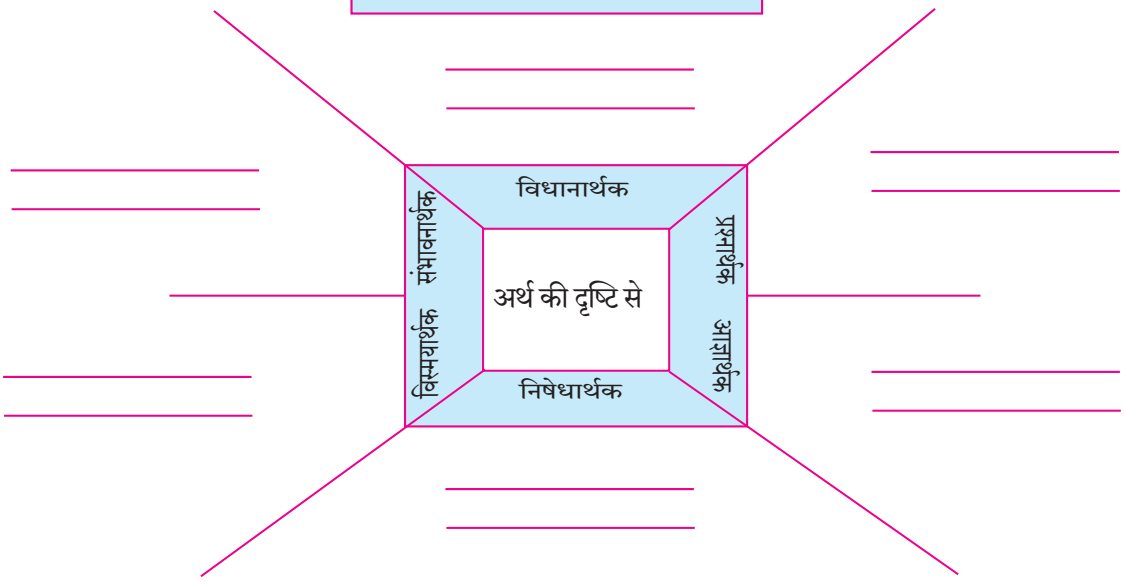

रचना बोध

.....

.....

.....